विदेशों में बसे सभी भारतीय भारत के राजदूत हैं "- लोक सभा अध्यक्ष

न्यूयार्क, 03 सितम्बर, 2015: लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन, जिन्होंने न्यूयार्क में संसदों के अध्यक्षों के चौथे विश्व सम्मेलन में भाग लिया, ने अमेरिका में बसे भारतीयों के लिए एक रात्रिभोज का आयोजन किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विदेशों में बसे सभी भारतीय भारत के राजदूत हैं ।

भारतीय प्रवासियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए श्रीमती महाजन ने कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी हुई है कि भारतीयों ने पूरे विश्व में नाम कमाया है । चाहे उद्यमिता का क्षेत्र हो या शिक्षा, खेल अथवा कला का, उन्होंने अपने-अपने संबंधित क्षेत्रों में अपनी योग्यता सिद्ध की है । अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण, साहस और सफलता के दम पर उन्होंने न केवल जिस देश में वे रह रहे हैं, विश्व में उस देश का नाम ऊँचा किया है बल्कि अपने और अपनी मातृभूमि भारत की एक अलग पहचान बनाई है ।

इस पूर्ववर्ती धारणा का उल्लेख करते हुए कि विदेश जाने वाले व्यक्ति अपने देश लौट कर नहीं आते, श्रीमती महाजन ने कहा कि अब समय बदल चुका है । अब भारतीय लोगों ने न केवल विश्व के कोने-कोने में भारत का नाम ऊंचा किया है बल्कि अपनी मातृभूमि के विकास में भी गहरी रूचि ली है । प्रवासी भारतीयों ने जिस प्रकार अमेरिका के मेडिसन स्क्वायर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया, वह इस बात का साक्षी है और इससे देश-विदेश में रहने वाले हम सब लोग बहुत उत्साहित हुए ।

श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि भारत तेजी से प्रगति कर रहा है और भारतीय पूरे विश्व में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं । हमारे वाईब्रेंट लोकतंत्र के वाईब्रेंट लोग बहुविध रूप से राजनीति और सामाजिक कार्य के अलावा वैश्विक व्यापार, शिक्षा, चिकित्सा, कला और संस्कृति, खान-पान, आईटी, परिवहन, निर्माण और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहे हैं । इस संदर्भ में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव श्री बान की- मून के साथ अपनी मुलाकात का उल्लेख किया जिसमें उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को वाईब्रेंट और अधिक समावेशी बनाने की आवश्यकता की ओर ध्यान दिलाया था । यह टिप्पणी श्री मून की इस बात के उत्तर में की गई थी कि भारत एक वाईब्रेंट लोकतांत्रिक देश है ।

रात्रिभोज के दौरान उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में राज्य सभा के उपसभापति प्रो. पी.जे. कुरियन, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, श्री अशोक कुमार मुखर्जी तथा भारतीय शिष्टमंडल के अन्य सदस्य शामिल थे । श्री ध्यानेश्वर मुले ने स्वागत भाषण दिया और श्री प्रेम भंडारी (जयपुर) ने भी श्रीमती महाजन का स्वागत किया ।